

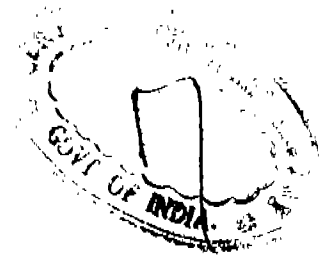


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 76]
No. 76]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 27, 1979/चैत्र 6, 1901
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 27, 1979/CHAITRA 6, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गृह मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1979

नियम

सं० 4/73/78-के०से०(1).—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में अनु० जातियों तथा अनु० जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की वर्ष 1977 तथा 1978 की प्रवर सूची में शामिल करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1979 में ली जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए नीचे प्रकाशित किए जाते हैं।

चयन सूची में शामिल किए जाने के लिए चयन किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी।

"अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों का अधिभाग निम्न-लिखित आदेशों में उल्लिखित अनुसूचित जातियों/जनजातियों में से किसी एक से है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, (अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां) (आन्ध्र प्रदेश) आदेश, 1958, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम

1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956, संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962, संविधान (पाण्डिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश 1964 संविधान अनुसूचित जनजातियां (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1968 संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1968 और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड अथवा केन्द्रीय सचिवालय प्रशासनिक सेवा के ग्रेड 'क' के ऐसे कोई स्थायी अधिकारी अथवा ऐसे कोई अधिकारी जिनका नाम अनुभाग अधिकारी ग्रेड की प्रवर सूची में अथवा के० सं० ग्रा० से० के ग्रेड 'क' की प्रवर सूची में शामिल है और जिन्होंने के० सं० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में अथवा के० सं० ग्रा० से० के ग्रेड 'क' में अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, 31 मार्च, 1978 को कम से कम 4 वर्षों की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर ली है, उक्त परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

नोट :—(1) के० सं० ग्रा० से० के ग्रेड 'क' अधिकारियों के मामले में अनुमोदित सेवा में उक्त सेवा के ग्रेड 'ख' में की गई अनुमोदित सेवा की आधी सेवा शामिल होगी।

(2) सैनिक सेवा के दौरान हुई किसी भी गैर हाजिरी की अवधि को उक्त सेवा के उपर्युक्त पदों के लिए निर्धारित सेवा अवधि में गिना जाएगा।

(3) के० स० से० के अनुभाग अधिकारी तथा के०स०आ०से० के ग्रेड 'क' अधिकारी जो मक्षम प्राधिकारियों की स्वीकृति से संवर्ग बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा प्राप्त हैं तो इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र होंगे। परन्तु शर्त यह है कि यह उस अधिकारी के लिए लागू नहीं होगा जो किसी संवर्ग बाह्य पद पर अथवा दूसरी सेवा में स्थानान्तरण पर नियुक्त किये गये हैं और अनुभाग अधिकारी ग्रेड अथवा के० स० आ० से० के ग्रेड 'क' में, जैसी भी स्थिति हो, कोई लियन नहीं रखते हैं।

4. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

5. किसी भी उम्मीदवार का परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र न हो।

6. जिस उम्मीदवार ने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) आजी प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा में समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अप्रसन्न भाषा में या अप्रसन्न आशय की हों, अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हों,
- (xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को भ्रष्टाचार करने का प्रयत्न किया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—
- (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

7. परीक्षा के परिणामों के बाद आयोग जिस उम्मीदवारों को चयन के लिए उपयुक्त समझेगा उनके नाम से अलग-अलग सूचियों में घोषित

क्रम में रखे जाएंगे जिनमें एक सूची अनु० जातियों के उम्मीदवारों के लिए और दूसरी सूची अनु० जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए होगी और इस क्रम में जितने भी उम्मीदवार आयोग द्वारा योग्य पाए जाएंगे, उनकी उपर्युक्त प्रत्येक वर्ग की चयन सूची में शामिल किए जाने के लिए अपेक्षित संख्या तक सिफारिश की जाएगी।

नोट—उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि श्रृंखला परीक्षा। परीक्षा के परिणाम के आधार पर प्रत्येक चयन सूची में शामिल किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या नियत करने के लिए सरकार पूरी तरह से सक्षम है। कोई भी उम्मीदवार इस परीक्षा में अपने निष्पादन के आधार पर चयन सूची में शामिल किए जाने के लिए अधिकार के रूप में दावा नहीं कर सकेगा।

8. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षा फल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पताचार नहीं करेगा।

9. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा में कार्य संचालन की दृष्टि से चयन के लिए हर प्रकार से योग्य है।

परन्तु आयोग द्वारा चयन के लिए अनुसंसित किए गए किसी उम्मीदवार को चयन के लिए अपात्र मानने के बारे में निर्णय आयोग के साथ परामर्श करके किया जाएगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार जो परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदनपत्र भेजने के बाद अथवा परीक्षा में बैठने के बाद अपनी नियुक्ति से त्यागपत्र दे देता है अथवा और किसी कारण वश सेवा छोड़ देता है अथवा उससे संबंध विच्छेद कर लेता है अथवा उसकी सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है अथवा उसको किसी संवर्ग बाह्य पद पर अथवा अन्य सेवा में स्थानान्तरण पर नियुक्त कर दिया जाता है। और केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड अथवा के०स०आ०से० के ग्रेड 'क' में उनका लियन नहीं है तो वे इस परीक्षा के परिणाम में के आधार पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

परन्तु यह बात उस व्यक्ति के मामले में लागू नहीं होगी जो मक्षम प्राधिकारियों के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त कर दिया गया है।

परिशिष्ट

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार ली जाएगी:—

भाग-1—लिखित परीक्षा में निम्नलिखित विषयों पर दो प्रश्न पत्र, प्रत्येक 200 अंकों के होंगे।

प्रश्न पत्र—I : भारत सरकार के सचिवालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों में कार्यविधि तथा कार्यप्रणाली।

प्रश्न पत्र—II : भारत के संविधान और सरकारी तंत्र संसद कार्य प्रणाली तथा क्रिया विधि का सामान्य ज्ञान।

प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए 2—घंटे का समय दिया जाएगा।

भाग-II—आयोग द्वारा अपने विवेक से निर्णीत किए गए उम्मीदवारों के गोपनीय रिपोर्टों तथा साक्षात्कार का मूल्यांकन—200 अंक।

2. परीक्षा का पाठ्य विवरण अनुसूची में दिए गए अनुसार होगा।

3. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र अंग्रेजी अथवा हिन्दी (देव नागरी) में लिखने का विकल्प होगा। प्रश्न पत्र अंग्रेजी और हिन्दी में तैयार किए जाएंगे।

नोट 1:—सभी प्रश्नों के लिए एक ही विकल्प होगा तथा उसी प्रश्न पत्र में विभिन्न प्रश्नों के लिए अलग-अलग विकल्प नहीं होंगे।

नोट 2—प्रश्न पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प देने वाले उम्मीदवारों को अपने इस इरादे का उल्लेख आवेदन-पत्र के कागज में स्पष्ट रूप से करना चाहिए। अन्यथा यह समझा जाएगा कि वे सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही देंगे।

नोट 3—प्रश्न-पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने वाले उम्मीदवार यदि वे चाहें तो हिन्दी के माध्य-माध्य तकनीकी शब्दावली यदि कोई हो, के अंग्रेजी पर्याय भां कोष्ठकों में दे सकते हैं।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर स्वयं ही लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हलफ में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने विवेक से परीक्षा के किसी एक या सभी भागों के प्रश्नों को निर्धारित करेगा केवल उन्हीं उम्मीदवारों के नापसंदीय रिपोर्टों के सत्यापन तथा साक्षोत्कार में बूझाए जाने पर विचार किया जाएगा जो लिखित परीक्षा में आयोग के विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अंशों का प्राप्त कर लेंगे।

6. कथन सतही जान के लिए तस्वर नहीं दिए जाएंगे।

7. लिखित विषयों में अप्रसृत लिखाई के लिए अधिकतम अंकों के 5% अंक काट लिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का ध्यान दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में कमबद्ध तथा प्रभावशाली होना और ठीक-ठीक की गई हो।

अनुसूची

परीक्षा का पाठ्य विवरण

जहां नियमों, आदेशों, अनुदेशों आदि का ज्ञान अपेक्षित है, उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख तक जारी किए गए संशोधनों की जानकारी रखते हैं।

साथ सरकार के सचिवालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों में कार्यविधि तथा कार्य प्रणाली।

यहां भारत सरकार के सचिवालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों में कार्य विधि तथा कार्य प्रणाली में रहने तथा विस्तृत परीक्षा लेने के लिए है। इस सम्बन्ध में कुछ मार्गदर्शन निम्नलिखित पुस्तकों में प्राप्त किया जा सकता है—

- (1) इस अधिसूचना के समय प्रचालित कार्यालय पद्धति पुस्तिका
- (2) कार्यालय पद्धति पर सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा जारी की गई टिप्पणियां।

(3) यह सचिवालय द्वारा जारी की गई सघ के सरकारी काम काज में हिन्दी के प्रयोग से संबंधित 'आदेशों की पुस्तिका'

साथ के संविधान और सरकारी तंत्र संबंध कार्य प्रणाली तथा कार्य विधि I और II का सामान्य ज्ञान—

नोट—यह आशा की जाएगी कि उन्हें निम्नलिखित का ज्ञान है—

- (1) भारत के संविधान के मुख्य सिद्धान्त (ii) लोक सभा तथा राज्य सभा में कार्य संचालन तथा पद्धति विषयक नियमों (iii) भारत सरकार की कार्य प्रणाली का आयोजन—संस्थानों/विभागों तथा सम्बद्ध और असंबद्ध कार्यालयों के पदनाम तथा उनके बीच विषयों की प्रावृत्ति करने और उनके परस्पर सम्बन्ध।

पी० के० मट्टू, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (Department of Personnel & A. R.)

New Delhi, the 27th March, 1979

RULES

No. 4/73/78-CS(I) (iii).—The rules for a limited departmental competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1979 for additions to the Select List of 1977 and 1978 for Grade I of the Central Secretariat Service against vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes are published below for general information.

The number of persons to be selected for inclusion in the Select List will be specified in the Notice issued by the Commission.

"Scheduled Castes/Tribes" mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

2. The examination shall be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in the Appendix to these rules.

The dates on which and the places at which the examinations will be held shall be fixed by the Commission.

3. Any permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service or Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service or any officer whose name has been included in the Select List for the Section Officers' Grade or the Select List for Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service and who belongs to any Scheduled Caste or Scheduled Tribe and who on 31st December, 1978, has rendered not less than 4 years' approved and continuous service in the Section Officers' Grade of Central Secretariat Service or in Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service or in both, as the case may be, shall be eligible to appear at the examination.

Note :—(1) In the case of Grade 'A' Officers of the Central Secretariat Stenographers' Service, the approved service shall include half of the approved service rendered in Grade 'B' of that Service.

(2) Any period of absence on Military duties may be allowed to be counted towards the prescribed length of service in any of the above posts.

(3) Section Officers of the Central Secretariat Service and Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted at the examination if otherwise eligible. Provided that it shall not apply to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and does not have a lien in the Section Officers' Grade or the Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service, as the case may be.

4. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

5. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting to commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidature; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

7. The names of the candidates who are considered by the Commission to be suitable for selection on the results of any examination shall be arranged in the order of merit in two separate lists one being for candidates belonging to the Scheduled Castes and the other being for candidates belonging to the Scheduled Tribes and in that order as many candidates as are found by the Commission to be qualified, shall be recommended for inclusion in the Select List for each of the aforesaid two categories of candidates up to the required number.

Note :—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be included in each Select List on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will therefore have any claim for inclusion in the Select List on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

8. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

9. Success in the examination confers no right to selection unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service is eligible and suitable in all respects for selection.

Provided that the decision as to ineligibility for selection in the case of any candidate recommended for selection by the Commission shall be taken in consultation with the Commission.

10. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another Service on 'transfer' and does not have a lien in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service or Stenographer Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a person who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

APPENDIX

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I : Written examination consisting of two papers in the following subjects each carrying 200 marks:—

Paper I : Procedure & Practice in the Government of India Secretariat and Attached Offices

Paper II : General Knowledge of the Constitution of India and Machinery of Government, Practice & Procedure in Parliament.

The papers will be of 2½ hours duration each.

Part II : Evaluation of C. Rs. and interview of such of the candidates as may be decided by the Commission in their discretion—200 marks.

2. Syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

3. Candidates are allowed the option to answer the paper either in English or in Hindi (Devanagari). Question papers will be set in English and Hindi.

Note 1 : The option will be same for all the question and not for different questions in the same papers.

Note 2 : Candidates desirous of exercising the option to answer the paper in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in the concerned column of the application form. Otherwise it would be assumed that they would answer all papers in English. The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained.

Note 3 : Candidates exercising the option to answer the paper in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write answers for them.

5. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the parts of the examination. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion will be considered for evaluation of C. Rs. and called for interview.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks in the written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of examination.

SCHEDULE

Syllabus of the Examination

Where knowledge of the Rules, Orders, Instructions etc. is required candidates will be expected to be conversant

with amendments issued upto the date of notification of this examination.

PROCEDURE AND PRACTICE IN GOVERNMENT OF INDIA SECRETARIAT AND ATTACHED OFFICERS

This is intended to be an intensive and detailed test in methods and procedure of work in the Government of India Secretariat and attached Offices. Some guidance on the subject can be obtained from —

- (i) Manual of Office Procedure current at the time of the Notification.
- (ii) Notes on Office Procedure issued by the Institute of Secretariat Training and Management.
- (iii) 'Hand Book of Orders regarding use of Hindi for official purposes of the Union' issued by the Ministry of Home Affairs.

GENERAL KNOWLEDGE OF THE CONSTITUTION OF INDIA AND MACHINERY OF GOVERNMENT PRACTICE AND PROCEDURE IN PARLIAMENT

Note :—Knowledge of the following will be expected (i) the main principles of the Constitution of India, (ii) Rules of Procedure and Conduct of Business in the Lok Sabha and the Rajya Sabha and (iii) the organisation of the machinery of Government of India—designation and allocation of subjects between Ministries, Departments and Attached and Subordinate Offices and their relation inter se.

P. K. MATTOO, Jt. Secy.

